1

देशगीत

कविता

प्रस्तुत गीत के रचयिता कविवर श्रीधर पाठक जी का जन्म सन् 1859 में उत्तर प्रदेश के आगरा ज़िले में हुआ था। 'मनोविनोद' और 'भारत-गीत' जैसी रचनाओं के रचनाकार श्रीधर जी ने सन् 1928 में देह त्यागी थी। इस गीत में कवि ने मातृभूमि भारत को संसार का 'देशेश' बताया है। उन्होंने देश की प्राकृतिक विशेषताओं का वर्णन करते हुए इसके सदैव स्वतंत्र रहने की कामना की है।

जय-जय प्यारा भारत देश।
जय-जय प्यारा, जग से न्यारा,
शोभित सारा देश हमारा,
जगत-मुकुट, जगदीश-दुलारा
जय सौभाग्य, सुदेश।
जय-जय प्यारा भारत देश।

प्यारा देश, जय देशेश,
अजय अशेष, सदय विशेष,
ज़रा न संभव अघ का लेश,
संभव केवल पुण्य-प्रवेश।
जय-जय प्यारा भारत देश।

स्वर्गिक शीश-फूल पृथ्वी का,
प्रेम-मूल प्रिय लोकत्रयी का,
सुललित प्रकृति-नटी का टीका,
ज्यों निशि का राकेश।
जय-जय प्यारा भारत देश।

जय-जय शुभ्र हिमाचल-शृंगा,
कलरव-निरत कल्लोलिनी गंगा,
भानु-प्रताप-चमकृत अंगा,
तेज-पुंज तप-वेश।
जय-जय प्यारा भारत देश।

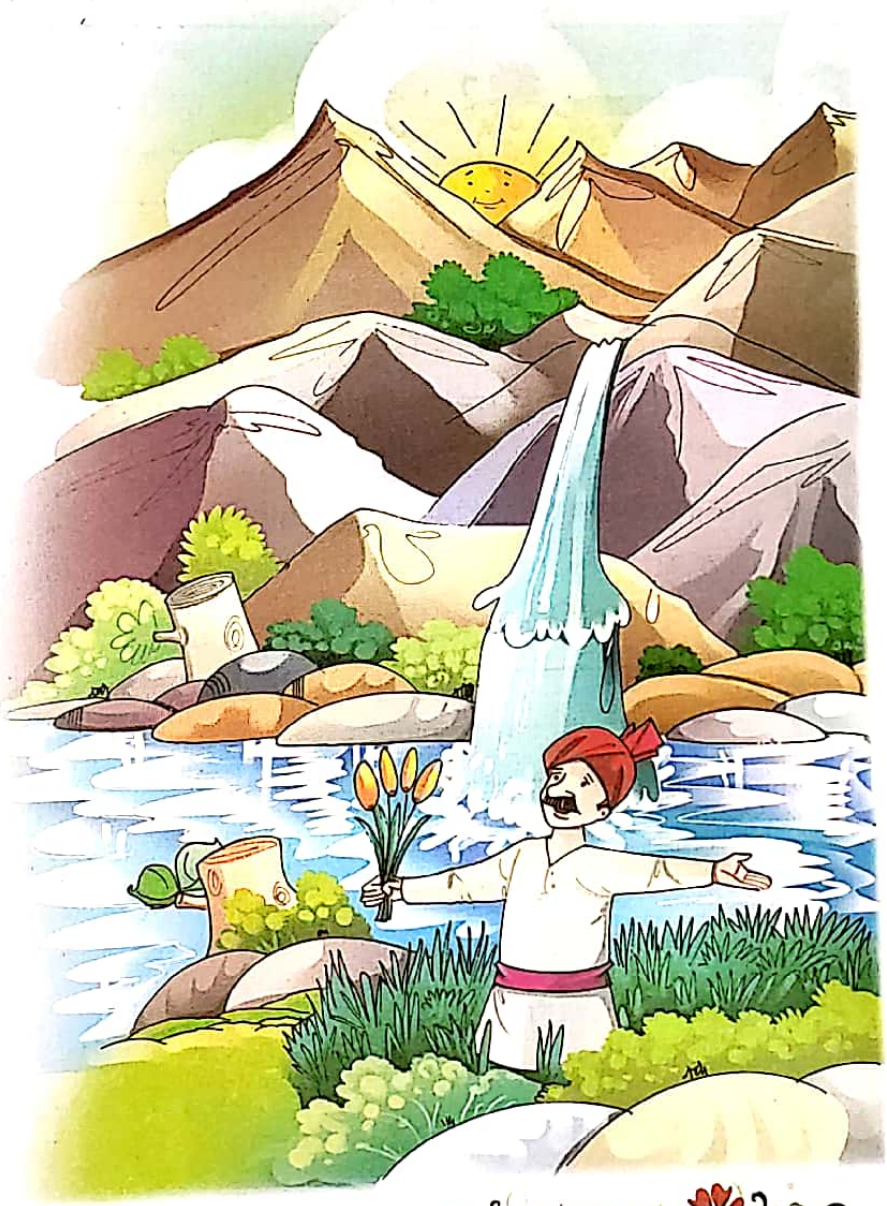

जग में कोटि-कोटि युग जीए,
जीवन-सुलभ अमीरस पीए,
सुखद वितान सुकृत का सीए,
रहे स्वतंत्र हमेश।
जय-जय प्यारा भारत देश।

–श्रीधर पाठक

शब्दार्थ

जग = संसार, दुनिया; न्यारा = अलग, विचित्र; जगत-मुकुट = संसार का मुकुट, दुनिया का ताज; जगदीश-दुलारा = ईश्वर का प्यारा; देशेश = देशों का राजा; अजय = जिसे कोई जीत न सके; सदय = दयालु भगवान; अघ = पाप; लेश = ज़रा-सा अंश; स्वर्गिक = स्वर्गीय; शीश-फूल = सिर पर धारण करने का आभूषण; लोकत्रयी = तीनों लोक; सुललित = सुंदर; टीका = तिलक; निशि = रात; राकेश = चंद्रमा; शृंगा = चोटी; कलरव-निरत = मधुर ध्वनि करती हुई; कल्लोलिनी = नदी; भानु-प्रताप-चमकृत = सूर्य के तेज से जिसके अंग चमकते हैं; कोटि = करोड़ों; अमीरस = अमृत; वितान = तंबू; सुकृत = अच्छे कार्य; सीए = सिले; हमेश = हमेशा, सदा।

अभ्यास

(क) सही उत्तर पर (✓) चिह्न लगाइए :

1. 'देशगीत' में किस पर्वत का नाम आया है?
   अरावली का ☐ हिमालय का ☐
2. 'देशगीत' में किस नदी को कलरव-निरत कल्लोलिनी कहा गया है?
   गंगा ☐ यमुना ☐
3. भारत को किसका स्वर्गिक शीश-फूल कहा गया है?
   पृथ्वी का ☐ चाँद का ☐

(ख) पंक्तियाँ पूरी कीजिए:

1. जय-जय प्यारा _____ ।
2. _____ सारा देश हमारा।
3. सुललित _____ का टीका।
4. सुखद _____ सुकृत का सीए।
5. रहे _____ हमेश।

(ग) आओ बूझें पहेली:

1. इस ग्रह पर हम रहते हैं। पृ
2. भारत में रहने वाले लोग। भा
3. इस चमकीले तारे को भानु भी कहते हैं। सू

Scanned with CamScanner

(घ) निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर दीजिए:

1. 'देशगीत' में कवि ने भारत की सुंदरता के विषय में क्या बताया है?
2. 'देशगीत' में हिमालय और गंगा के बारे में क्या कहा गया है?
3. 'देशगीत' में कवि ने भारत के लिए क्या कामना की है?

शब्दबोध एवं व्याकरण

(ङ) दिए गए शब्दों के दो-दो पर्यायवाची चुनकर लिखिए:

(राकापति, चंद्रमा; रात, रात्रि; पुष्प, सुमन; सुरनदी, भागीरथी; राष्ट्र, मातृभूमि; सिर, मस्तक)

1. निशि _____ _____
2. देश _____ _____
3. गंगा _____ _____
4. फूल _____ _____
5. शीश _____ _____
6. राकेश _____ _____

(च) शुद्ध उच्चारण कीजिए:

शोभित सौभाग्य पुण्य स्वर्गिक कल्लोलिनी

दिए गए शब्दों को अपने वाक्यों में प्रयोग कीजिए।

_____

_____

_____

_____

_____

(छ) नीचे कविता की कुछ पंक्तियाँ दी गई हैं। इनमें से व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द और विशेषण चुनकर लिखिए:

	व्यक्तिवाचक संज्ञा शब्द	विशेषण
जय-जय शुभ्र हिमाचल-शृंगा,	_____	_____
कलरव-निरत कल्लोलिनी गंगा,	_____	_____
भानु-प्रताप-चमकृत अंगा,	_____	_____
तेज-पुंज तप-वेश।	_____	_____
जय-जय प्यारा भारत देश।	_____	_____

पाठेतर गतिविधि

(ज) बातचीत की बारी

प्रस्तुत गीत में भारत के विषय में कवि ने जो बातें कही हैं, उन पर कक्षा में चर्चा कीजिए।

(झ) अपने पुस्तकालय में जाकर देशप्रेम की कुछ अन्य कविताएँ भी पढ़िए।

Scanned with CamScanner